बचपन

Question 1.
पहले गीत सुनने के लिए क्या साधन थे ?
(a) रेडियो
(b) टी. वी.
(c) ग्रामोफोन
(d) सी.डी. प्लेयर

▼ Answer

Answer: (c) ग्रामोफोन

Question 2.
लेखिका जब चश्मा लगाती थी तो उनका चचेरा भाई क्या कहकर चिढ़ाता था ?
(a) बंदर
(b) लंगूर
(c) चिंपाजी
(d) गौरैया

▼ Answer

Answer: (b) लंगूर

Question 3.
लेखिका बचपन में कौन-कौन सी चीजें मजे लेकर खाती थी ?
(a) चने
(b) चॉकलेट
(c) चने और चॉकलेट दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (b) चॉकलेट

Question 4.
'बचपन' पाठ किस के द्वारा लिखा गया है ?
(a) प्रेमचंद
(b) गुणाकर मुले
(c) कृष्णा सोबती
(d) हेलेन केलर

▼ Answer

Answer: (c) कृष्णा सोबती

Question 5.
लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या काम करती थी ?
(a) वह मंदिर जाती थी
(b) वह सबके लिए नाश्ता तैयार करती थी
(c) वह संगीत सीखती थी
(d) वह अपने मोजे धोती व जूते पॉलिश करती थी

▼ Answer

Answer: (d) वह अपने मोजे धोती व जूते पॉलिश करती थी

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

मैं तुमसे कुछ इतनी बड़ी हूँ कि तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ, तुम्हारी नानी भी। बड़ी बुआ भी-बड़ी मौसी भी। परिवार में मुझे सभी लोग जीजी कहकर ही पुकारते हैं। हाँ, मैं इन दिनों कुछ बड़ा-बड़ा यानी उम्र में सयाना महसूस करने लगी हूँ। शायद इसलिए कि पिछली शताब्दी में पैदा हुई थी। मेरे पहनने-ओढ़ने में भी काफी बदलाव आए हैं। पहले मैं रंग-बिरंगे कपड़े पहनती रही हूँ। नीला-जामुनी-ग्रे-काला-चॉकलेटी। अब मन कुछ ऐसा करता है कि सफ़ेद पहनो। गहरे नहीं, हलके रंग। मैंने पिछले दशकों में तरह-तरह की पोशाकें
पहनी हैं। पहले फ्रॉक, फिर निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे, गरारे और अब चूड़ीदार पायजामी और घेरदार कुर्ते।

Question 1.
परिवार में लोग लेखिका को क्या कहकर पुकारते थे ?
(a) बहन
(b) दीदी
(c) जीजी
(d) लाल्ली

▼ Answer

Answer: (c) जीजी।

Question 2.
लेखिका अब अपने को कैसा महसूस करती है?
(a) अच्छा
(b) बुरा
(c) सयाना
(d) असहज

▼ Answer

Answer: (c) सयाना।

Question 3.
लेखिका का मन अब कैसे कपड़े पहनने का करता है ?
(a) रंग-बिरंगे
(b) जामुनी

(c) चॉकलेटी
(d) सफेद

▼ Answer

Answer: (d) सफेद।

Question 4.
'शताब्दी' का समास विग्रह होगा ?
(a) सात सौ अब्दों का समूह
(b) शत् (सौ) अब्दों (वर्षों) का समाहार
(c) सात सौ वर्षों का समाहार
(d) सात वर्षों का समाहार

▼ Answer

Answer: (b) शत् (सौ) अब्दों (वर्षों) का समाहार
सौ अब्दों का समाहार।

---

(2)

हमें हफ्ते में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी। सबसे ज़्यादा मेरे पास ही चॉकलेट-टॉफ़ी का स्टॉक रहता। मैं चॉकलेट लेकर खड़े-खड़े कभी न खाती। घर लौटकर साइडबोर्ड पर रख देती और रात के खाने के बाद बिस्तर में लेटकर मज़ा ले-लेकर खाती।
शिमला के काफ़ल भी बहुत याद आते हैं। खट्टे-मीठे। कुछ एकदम लाल, कुछ गुलाबी। रसभरी। कसमल। सोचकर ही मुँह में पानी भर आए। चेस्टनट एक और गज़ब की चीज़। आग पर भूने जाते और फिर छिलके उतारकर मुँह में।
चने ज़ोर गरम और अनारदाने का चूर्ण! हाँ, चने ज़ोर गरम की पुड़िया जो तब थी, वह अब भी नज़र आती है। पुराने कागज़ों से बनाई हुई इस पुड़िया में निरा हाथ का कमाल है। नीचे से तिरछी लपेटते हुए उपर से इतनी चौड़ी कि चने आसानी से हथेली पर पहुँच जाएँ। एक वक्त था जब फ़िल्म का गाना-चना ज़ोर गरम बाबू मैं लाया मज़ेदार, चना ज़ोर गरम-उन दिनों स्कूल के हर बच्चे को आता था।

Question 1.
लेखिका यहाँ किस शहर की माल रोड की बात कर रही है ?
(a) दिल्ली शहर की
(b) देहरादून की
(c) शिमला की
(d) मसूरी की

▼ Answer

Answer: (c) शिमला की
शिमला।

Question 2.
लेखिका को सप्ताह में कितनी बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी ?
(a) एक बार
(b) दो बार

(c) तीन बार
(d) चार बार

▼ Answer

Answer: (a) एक बार।

Question 3.
खट्टा मीठा स्वाद किसका होता था ?
(a) जामुन का
(b) काफ़ल का
(c) चॉकलेट का
(d) चने का

▼ Answer

Answer: (b) काफ़लं का।

Question 4.
चेस्टनट को किस प्रकार खाया जाता है ?
(a) उबालकर
(b) आग पर भूनकर
(c) तलकर
(d) सुखाकर

▼ Answer

Answer: (b) आग पर भूनकर।

Question 5.
कौन-सा गीत हर बच्चे को आता था ?
(a) बच्चे मन के सच्चे…
(b) सारे जहाँ से अच्छा…
(c) दे दी हमें आजादी…
(d) चना जोर गरम…

▼ Answer

Answer: (d) चना जोर गरम…।

---

(3)

शाम को रंग-बिरंगे गुब्बारे। सामने जाखू का पहाड़। ऊँचा चर्च। चर्च की घंटियाँ बजतीं तो दूर-दूर तक उनकी गूंज फैल जाती। लगता, इसके संगीत से प्रभु ईशू स्वयं कुछ कह रहे हैं।
सामने आकाश पर सूर्यास्त हो रहा है। गुलाबी सुनहरी धारियाँ नीले आसमान पर फैल रही हैं। दूर-दूर फैले पहाड़ों के मुखड़े गहराने लगे और देखते-देखते बत्तियाँ टिमटिमाने लगीं। रिज पर की रौनक और माल की दुकानों की चमक के भी क्या कहने ! स्कैंडल पॉइंट की भीड़ से उभरता कोलाहल।
सरवर, स्कैंडल पॉइंट के ठीक सामने उन दिनों एक दुकान हुआ करती थी, जिसके शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का

मॉडल बना हुआ था। इसकी पटरियाँ-उस पर खड़ी छोटे-छोटे डिब्बों वाली ट्रेन। एक ओर लाल टीन की छतवाला स्टेशन और सामने सिग्नल देता खंबा-थोड़ी-थोड़ी दूर पर बनीं सुरंगें!

Question 1.
लेखिका ने यहाँ किस पहाड़ की बात की है ?
(a) सतपुड़ा के
(b) शिवालिक के
(c) हिमालय के
(d) जाखू के |

▼ Answer

Answer: (d) जाखू के।

Question 2.
'पहाड़ों के मुखड़े गहराने' का अर्थ है ?
(a) प्रकाश हो जाना
(b) पहाड़ पर सूर्य की रोशनी पड़ना
(c) धीरे-धीरे अँधेरा छा जाना
(d) बत्तियाँ जल जाना

▼ Answer

Answer: (c) धीरे-धीरे अंधेरा छा जाना।

Question 3.
'सरवर, स्कैंडल पॉइंट' के सामने वाली दुकान पर किस ट्रेन का मॉडल बना हुआ था ?
(a) कालका-शिमला मेल
(b) अमृतसर मेल
(c) लखनऊ मेल
(d) लाहौर मेल

▼ Answer

Answer: (a) कालका शिमला मेल।

Question 4.
शाम के समय कहाँ की रौनक देखने लायक होती थी।
(a) रिज की
(b) माल रोड की दुकानों की
(c) जाखू पर्वत की
(d) 'a' और 'b' दोनों कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) 'a', 'b' दोनों कथन सत्य हैं।

Question 5.
निम्न में से कौन-सा शब्द पहाड़ का पर्याय नहीं है?
(a) पर्वत
(b) नग
(c) नाग
(d) भूधर

▼ Answer

Answer: (c) नाग।